दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(मॉड्यूल V- प्राचीन इतिहास)

DTVF/18–OPS-H5

निर्धारित समय: तीन घंटे ***Time allowed: Three Hours***	*अधिकतम अंक: 250* ***Maximum Marks: 250***

नाम (Name): Mintu lal meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 7/7/18 / 05

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

1	1	4	2	2	5	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

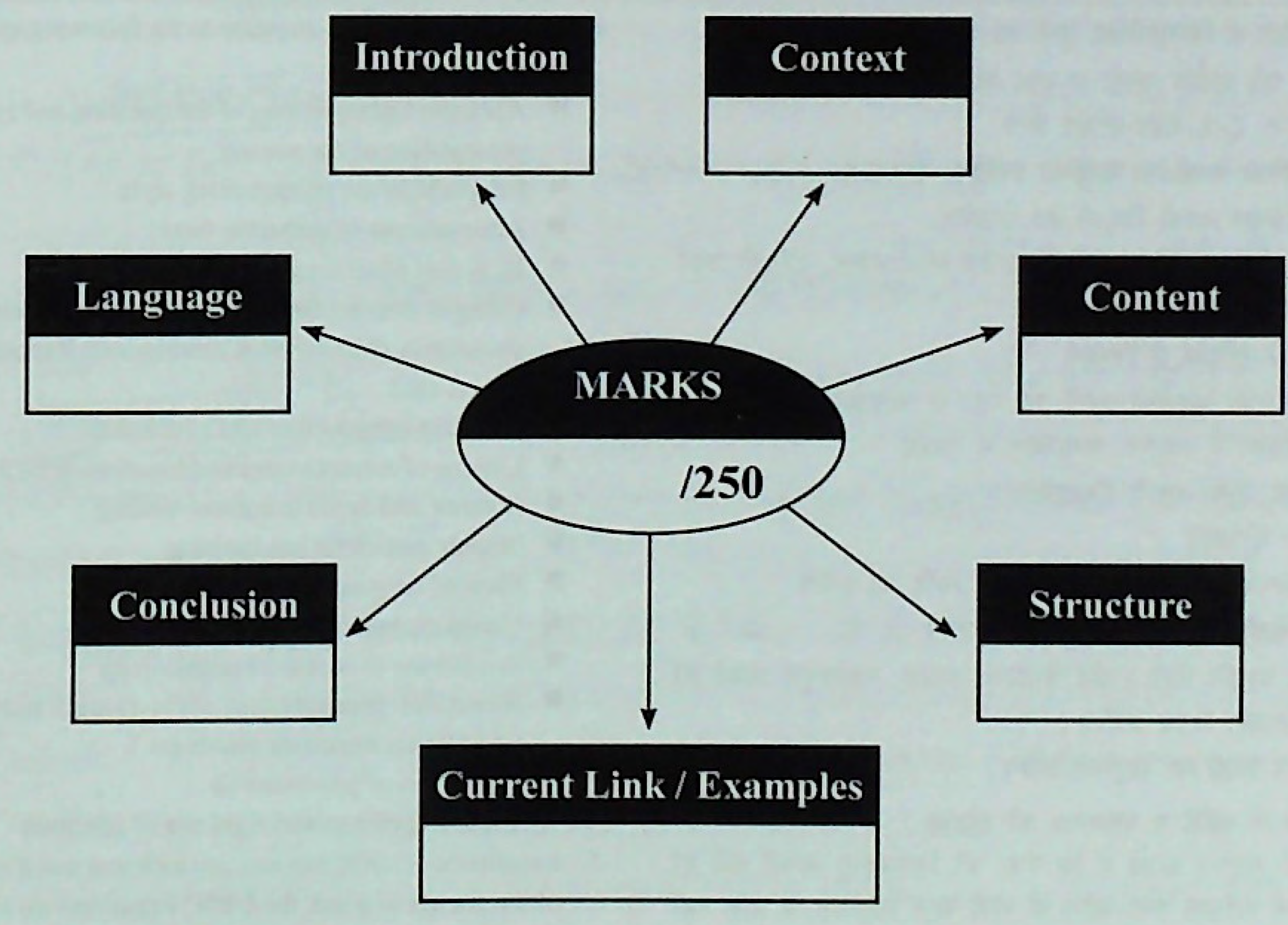

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) 14वीं से 16वीं सदी के मध्य यूरोप में पुनर्जागरण एक महत्त्वपूर्ण घटना थी, जिसकी अभिव्यक्ति विविध क्षेत्रों में हुई। साहित्य के विशेष संदर्भ में इसके प्रभावों को रेखांकित कीजिये।

The Renaissance of 14th-16th century medieval Europe was a significant event which was evident in diverse fields. Illustrate its impacts in the field of literature.

14-16वीं शताब्दी में यूरोप में लौकिक जीवन, मानवीय विवेक एवं तर्क पर बल देने वाली, मानवतावाद, वैज्ञानिक खोजों एवं अन्वेषण की प्रवृत्ति पर बल देने वाली प्रवृत्तियों का उदय हुआ जिन्हें सम्मिलित रूप से पुनर्जागरण कहा जाता है।

पुनर्जागरण की अभिव्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों जैसे - स्थापत्यकला, चित्रकला, मूर्तिकला, विज्ञान एवं तकनीकी, साहित्य, आर्थिक क्षेत्रों में देखी जा सकती है। इनमें साहित्य के क्षेत्र में हुई प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

पुनर्जागरण के कारण स्थानीय भाषा एवं साहित्य का विकास हुआ जिसमें स्पेनिश, फ्रेंच, अंग्रेजी, ग्रीक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसलिए प्रमुख है क्योंकि इससे पूर्व साहित्य की भाषा लैटिन थी जो जन-साधारण की समझ से परे थी। अब स्थानीय भाषा में साहित्य की रचना होने के कारण ज्ञान का प्रसार जन सामान्य तक हुआ। इसी सन्दर्भ में कहा गया कि "पुस्तकों के छेना लिखा है, कहकर लोगों को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता है।

इस काल में दाँते के 'डिवाइन कॉमेडी' जैसे ग्रंथों की रचना की। इस काल के साहित्य में मानव को केन्द्रीय भूमिका प्रदान की गई।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पुनर्जागरण के दौरान साहित्य की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष के प्रभावों को रेखांकित कीजिये।

Highlight the impacts of the American independence struggle.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अमेरिका, इंग्लैण्ड का उपनिवेश था। अमेरिकी नागरिकों ने इंग्लैण्ड के विरुद्ध संघर्ष किया और स्वतंत्रता प्राप्त की। जिसके प्रभाव निम्न प्रकार हैं-

अमेरिका पर:

विश्व के पहले लिखित संविधान की रचना हुई और जनता की सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के लिए गणतंत्रात्मक शासन प्रणाली को अपनाया गया।

अमेरिकी संविधान ने दुनिया के सामने जनतंत्र, गणतंत्र, संविधान एवं संविधानवाद के चार आदर्श रखे। इसी शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत अपनाया गया ताकि व्यक्ति की स्वतंत्रता एवं नागरिकों का हनन न हो।

इंग्लैण्ड पर:

अमेरिकी उपनिवेश खोने से राजतंत्र की आलोचना हुई। फलतः संसद की शक्ति में वृद्धि हुई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इंग्लैण्ड ने अपनी उपनिवेशों की नीति में परिवर्तन किया। श्वेत उपनिवेशों के प्रति उदार एवं अश्वेत उपनिवेशों के प्रति दमनात्मक नीति अपनायी।

फ्रांस पर :

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी से वित्तीय बोझ बढ़ा। साथ ही क्रान्ति में भागीदारी कर लौटे सैनिकों ने अमेरिकी क्रांति के आदर्शों को फ्रांस में प्रचारित किया। इसी सन्दर्भ में यह कहा गया कि "अमेरिकी क्रान्ति ने कुछ हद तक फ्रांसीसी क्रान्ति को प्रेरित किया।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) वाणिज्यवाद से आप क्या समझते हैं? इसके उदय के कारणों की समीक्षा कीजिये।

What do you mean by mercantilism? Examine the factors responsible for it.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वाणिज्यवाद एक आर्थिक अवधारणा है जिसके अन्तर्गत आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर राज्य का नियन्त्रण रहता है। अर्थात यह मुक्त व्यापार विरोधी अवधारणा है जहाँ अर्थव्यवस्था में राज्य का सक्रिय हस्तक्षेप होता है।

उदय के कारण :-

यूरोप में पुनर्जागरण चेतना के कारण नवीन समुद्री मार्गों एवं भौगोलिक खोजें हुई। इसी क्रम में अमेरिका एवं भारत जैसे क्षेत्रों की खोजें हुई और यूरोपीय देशों ने इन नवीन क्षेत्रों के साथ व्यापार-वाणिज्यिक सम्बन्ध स्थापित किये। इन नवीन क्षेत्रों में व्यापारिक केन्द्रों की स्थापना की और व्यापारिक गतिविधियों पर नियन्त्रण स्थापित किया। इसने वाणिज्यवाद का मार्ग प्रशस्त किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पुनर्जागरण

↓

भौगोलिक खोजें

↓

वाणिज्यवाद

↓

पूँजीवाद

↓

औद्योगिक क्रांति

↙ ↘

साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद → समाजवादी विचारधारा का उदय

↓

विश्व युद्ध

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) 'एक क्लांत एवं भीरु पीढ़ी के लिये मेटरनिक ही उपयुक्त था।' टिप्पणी कीजिये।

Metternich suited the tired and timid generation. Comment.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यहाँ क्लान्त पीढ़ी से तात्पर्य उस पीढ़ी से है जो फ्रांसीसी क्रान्ति के आदर्शों स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्व, राष्ट्रवाद, मानवाधिकार का विरोध करते करते थक चुकी थी।

वास्तव में इसी पीढ़ी में राजतंत्र एवं कुलीन एवं सामन्त वर्ग के लोग थे क्योंकि फ्रांसीसी क्रान्ति से उनके विशेषाधिकारों को छीना जा रहा था।

वही पीढ़ी भीरु (डरी हुई) भी क्योंकि फ्रांसीसी क्रान्ति के आदर्शों के प्रसार से इनका प्रभाव कम होता जा रहा था।

अतः मेटरनिक ने फ्रांसीसी क्रान्ति के आदर्शों को यूरोप में प्रसारित होने से रोकने का प्रयास किया। वह एक प्रतिक्रियावादी एवं यथास्थितिवादी शासक था। वह क्रान्ति को संक्रामक रोग मानता था। उसका कहना था कि "

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

शासन करो किंतु परिवर्तन मत होने दो।"

किन्तु मेटरनिख इस नीति के लिए कुछ अनुभक्त जानते केवल थोड़े समय के लिए सिद्ध हो सका। वह इतिहास की उस गतिशील धारा को रोकने में विफल रहा जो पुनर्जागरण, धर्मसुधार आन्दोलन, प्रबोधन तथा अमेरिकी एवं फ्रांसीसी क्रान्ति के बदले हुए स्वरूप का रही थी।

यूनान एवं बेल्जियम की स्वतंत्रता, पोलैण्ड के विद्रोह तथा इटली एवं जर्मनी का एकीकरण मेटरनिख व्यवस्था का पतन साबित करते हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(e) औद्योगिक क्रांति की शुरुआत इंग्लैंड से ही क्यों हुई? विवेचना कीजिये।

Why did the industrial revolution start from England? Discuss.

परम्परागत घरेलू उत्पादन प्रणाली के स्थान पर कारखाना प्रणाली विकास होना जिससे सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में गहरे प्रभाव पड़े, औद्योगिक क्रान्ति कहा जाता है।

औद्योगिक क्रान्ति की शुरुआत इंग्लैण्ड में होने के निम्न कारण थे -

इंग्लैण्ड की अनुकूल भौगोलिक अवस्थिति थी। वह चारों तरफ से समुद्र से घिरा हुआ था। अतः अन्य यूरोपीय देशों के अभावग्रस्त युद्धों से बचा रहा। फलतः पूँजी का उपयोग उद्योगों में किया।

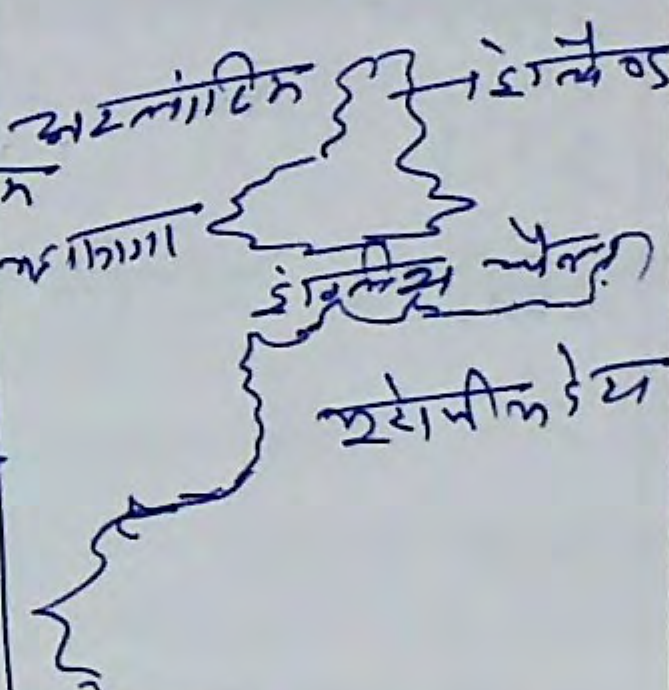

इसी तरह इंग्लैण्ड में लोहा एवं कोयला के पर्याप्त भण्डार थे। जो औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक तत्व है। साथ ही व्यापार के लिए बन्दरगाह थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इंग्लैण्ड में हुई कृषि क्रान्ति ने भी औद्योगिक क्रान्ति को प्रेरित किया क्योंकि इससे उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राप्त हुआ और जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि हुई।

इंग्लैण्ड में लोकतांत्रिक उदारवादी शासन प्रणाली थी जिसने व्यापार-वाणिज्य को बढ़ावा दिया।

इसी तरह इंग्लैण्ड का विशाल औपनिवेशिक साम्राज्य था जहाँ व्यापार-वाणिज्य से औद्योगिकरण के लिए पूँजी प्राप्त हुई। वहीं निर्मित माल के बाजार एवं उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राप्त हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. (a) 'रूसो के चिंतन में समाजवाद, प्रजातंत्र एवं निरंकुशता के बीज निहित हैं।' इस कथन का परीक्षण कीजिये। 15

'The ideas of Rousseau contained the seeds of socialism, democracy and autocracy.' Examine. 15

रूसो एक प्रबोधनकालीन चिंतक थे जिन्होंने स्वतन्त्रता, समानता, बन्धुत्व एवं मानवाधिकारों पर बल दिया।

रूसो ने कहा कि मनुष्य जन्म से ही अच्छा एवं विवेकशील प्राणी है किंतु सभ्यता के विकास के क्रम में उसने कृत्रिम आवरण से ढक लिया है। उसने कहा कि "मनुष्य जन्म से स्वतंत्र है किंतु ~~बाद~~ सर्वत्र जंजीरों से जकड़ा हुआ है।"

अतः मनुष्य को प्रकृति की ओर लौटने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि प्राकृतिक व्यवस्था पर सबका समान अधिकार होता है। यहाँ रूसो के चिन्तन में समाजवाद दिखाई देता है

इसी तरह रूसो ने सामाजिक असमानता जैसे - जाति, नस्ल, इत्यादि का विरोध किया और कहा कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मनुष्य को अपने चारों तरफ का कृत्रिम वातावरण समाप्त करना चाहिए। इस प्रकार रूसो ने सामाजिक विषमता को समाप्त कर समतामूलक समाज की स्थापना की बात की। यहाँ भी रूसो के चिंतन में समाजवाद देखा जा सकता है।

रूसो ने सामान्य इच्छा की अवधारणा का प्रतिपादन करते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति सामान्यहित में अपने अधिकार किसी और को सौंप देता है तो वह सामान्य इच्छा है।

किंतु भी यह प्रतिनिधि सामान्य इच्छा के अनुसार कार्य नहीं करता है तो उसको हटाया जा सकता है। यहाँ रूसो के चिन्तन में प्रजातंत्र के बीज दिखाई देते हैं।

किंतु यदि कोई प्रतिनिधि सामान्य इच्छा के नाम पर अपनी इच्छा आरोपित करता है तो यह निरंकुशता होती है। जैसे - फ्रांसीसी क्रांति के ~~दौरान~~ दौरान रोबेस्पियर ने आंदोलन के

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राज्य की स्थापना कीजिए।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि रूसो के चिंतन में अराजकतावाद, प्रजातंत्र एवं निरंकुशता के बीज दिखाई देते हैं। किंतु यह निरंकुशता रूसो के सामान्य इच्छा सिद्धांत की विकृत व्याख्या पर आधारित है। रूसो ने मानवाधिकारों पर बल दिया था निरंकुशता पर नहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) अमेरिकी गृहयुद्ध एक शल्य चिकित्सा के समान था जो दुःखदायी होते हुए भी अमेरिका के लिये अनकहा आर्शीवाद बन गया। विवेचना कीजिये। 20

The American Civil War was like a surgery, which, though painful, showered blessings on America. Discuss. 20

उपरोक्त कथन अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान उपजी अव्यवस्था एवं उसके पश्चात् अमेरिका पर सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों के पड़े सकारात्मक प्रभावों को दर्शाता है।

वस्तुतः अमेरिकी गृहयुद्ध उत्तरी एवं दक्षिणी राज्यों के मध्य आर्थिक-सामाजिक भिन्नता, उद्योगों के संरक्षण का प्रश्न एवं दास प्रथा के मुद्दे को लेकर हुआ था।

इस गृह युद्ध के दौरान लाखों लोग मारे गए। अनेक बेघर हो गए। कल-कारखाने बन्द हुए। फलतः उत्पादन कम होने से व्यापारिक-आर्थिक गतिविधियाँ बाधित हुई। आवश्यक वस्तुओं की कमी से महँगाई में वृद्धि हुई।

इसी तरह गृहयुद्ध के दौरान भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई। लोगों ने जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर बल दिया। फलतः

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आम लोगों को कठिनाईयाँ हुईं। इस दृष्टि से गृहयुद्ध दुखदायी था।

वहीं दूसरी तरफ गृहयुद्ध के अमेरिका पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

राजनीतिक क्षेत्र में:

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक मामले में यह निर्णय दिया गया कि अमेरिकी संघ से किसी राज्य को पृथक होने का अधिकार नहीं है। अतः अमेरिका "अविनाशी राज्यों का अविनाशी संघ" बन गया और एक मजबूत राजनीतिक संरचना का निर्माण हुआ।

सामाजिक क्षेत्र:

दास प्रथा समाप्त कर दी गई और दासों को मताधिकार के साथ-साथ मानवाधिकार भी प्रदान किया गया किंतु इसके बावजूद भी श्वेत-अश्वेत संघर्ष की स्थिति बनी रही।

आर्थिक क्षेत्र:

गृहयुद्ध के पश्चात् अमेरिका में

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तीव्र गति से औद्योगिक विकास हुआ। मध्य पश्चिमी राज्यों में कृषि का मशीनीकरण हो गया। वहाँ अब दासों की आवश्यकता नहीं रही। पश्चिमी अमेरिकी राज्यों में उद्योगों की स्थापना हुई। फलत: उत्तरी एवं पश्चिमी राज्यों की आर्थिक पद्धतियों का अंतर समाप्त हो गया।

सम्पूर्ण अमेरिका में परिवहन एवं संचार के साधनों का विकास हुआ जिससे बाजारवादी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

गृहयुद्ध के पश्चात् विलयन एवं एकीकरण की नीति अपनाई गयी। फलत: बहुराष्ट्रीय निगमों की स्थापना की गई और एकाधिकार शिक्षा का महत्व बढ़ा।

इसी तरह राष्ट्रीय बैंकिंग अधिनियम पारित करते हुए पूरे अमेरिका में एक समान बाजार, मुद्रा विनिमय दर लागू की गई।

अत: निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है अमेरिकी गृहयुद्ध के परिणाम अमेरिका के लिए उत्तरी क्रांति के समान थे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) जब समस्त यूरोप में व्यवस्था समान रूप से चरमरा रही थी तो क्रांति फ्राँस में ही क्यों हुई? स्पष्टीकरण कीजिये। 15

When the whole Europe was facing systemic failures, why did the revolution bloom in France? Elucidate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

18वीं शताब्दी के यूरोप में पुरातन व्यवस्था विद्यमान थी। इसके बावजूद भी क्रांति के फ्रांस में होने के निम्नलिखित कारण थे -

1.) फ्रांसीसी किसान अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में समृद्ध था किंतु वह सामन्ती शोषण का शिकार था और वह इस शोषण से मुक्ति प्राप्त कर अपनी समृद्धि बढ़ाना चाहता था।

2.) 18वीं शताब्दी के फ्रांस में कुलीन एवं सामन्त-वर्ग जनता पर बोझ बन गया। यह वर्ग जनता का शोषण एवं उत्पीड़न कर रहे थे जबकि अन्य यूरोपीय देशों में प्रबुद्ध निरंकुश शासकों के काल में यह वर्ग शासन सकारात्मक भूमिका निभा रहा था।

3.) फ्रांस का मध्यवर्ग आर्थिक रूप से सम्पन्न था क्योंकि वह फ्रांसीसी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अभिजनों के व्यापार-वाणिज्य में संलग्न था साथ ही वह कुलीनों को ऋण भी देता था किंतु वह अपनी सामाजिक स्थिति से असंतुष्ट था।

वस्तुतः फ्रांस का कुलीन एवं सामन्त वर्ग मध्यवर्ग के साथ अपमानजनक व्यवहार करते थे। मध्य वर्ग के लोगों की सैन्य एवं प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति नहीं होती थी। अतः यह वर्ग समानता चाहता था। इसी संदर्भ में यह कहा गया है कि "फ्रांसीसी क्रांति स्वतंत्रता के लिए नहीं बल्कि समानता के लिए हुई थी।" इस मध्यवर्ग ने क्रांति को नेतृत्व प्रदान किया।

4) 18वीं शताब्दी के फ्रांस में दैवीय सिद्धांत पर आधारित निरंकुश एवं स्वेच्छाचारी राजतंत्र था जहाँ राजा की इच्छा ही कानून थी।

इस काल में अनेक यूरोपीय देशों के कारण प्रबोधन के किंतु

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

से प्रेरित होकर उदारवादी नीतियों ~~अ~~ अपनाते हुए जनहित के कार्य कर रहे थे। जैसे - ऑस्ट्रिया का जोसेफ-II, प्रशा का फ्रेडरिक महान।

किंतु फ्रांसीसी शासक प्रबोधन के चिंतन से प्रभावित नहीं हुए और जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन रहे। फलतः क्रान्ति फ्रांस में हुई।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. (a) अंतर्निहित एवं आत्मघाती अंतर्विरोधों के चलते नेपोलियन के साम्राज्य का पतन निश्चित था। व्याख्या कीजिये। 20

Due to inherent and self-destructive dissensions the collapse of Napoleon's empire was inevitable. Discuss. 20

नेपोलियन ने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया किंतु उसे बनाये रखने के लिए उसने जो नीतियाँ अपनाली वे अंतर्विरोधों से युक्त थी जो उसके लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। अतः उसके साम्राज्य का पतन निश्चित हो गया।

नेपोलियन द्वारा अपनाली गयी नीतियाँ निम्न थी -

(1) राष्ट्रवाद एवं साम्राज्यवाद का अंतर्विरोध:

नेपोलियन फ्रांसीसी क्रांति द्वारा प्रभावित हुई राष्ट्रवादी भावना के कारण तानाशाह बना किंतु उसने अन्य यूरोपीय देशों में साम्राज्यवादी विस्तार की नीति अपनाली अतः उन देशों का राष्ट्रवाद आहत हुआ और वे नेपोलियन के विरोधी हो गये। जैसे - स्पेन की राष्ट्रवादी भावना के विस्फोट ने नेपोलियन के पतन का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) राजतंत्र एवं गणतंत्र का अंतर्विरोध:

नेपोलियन डायरेक्टरी के शासन को समाप्त कर फ्रांस के गणतंत्र का प्रमुख बना था किंतु वह फ्रांस के गणतंत्र एवं यूरोपीय राज्यों के राजतंत्र की शत्रुता को समाप्त करना चाहता था। फलतः उसने फ्रांस में राजतंत्र को समाप्त कर तानाशाही एवं साम्राज्यवादी शासन की स्थापना की।

इससे यूरोपीय देश उसे साम्राज्यवादी एवं फ्रांसीसी जनता गणतंत्र का विनाशक समझने लगी और यूरोपीय देश उसके विरुद्ध हो गये।

(3) महाद्वीपीय व्यवस्था का अंतर्विरोध:

महाद्वीपीय व्यवस्था के अन्तर्गत नेपोलियन ने अन्य यूरोपीय राष्ट्रों का इंग्लैण्ड से व्यापारिक सम्बन्ध समाप्त करा दिये किंतु स्वयं अनाज का निर्यात करता रहा और सैन्य सामग्री का आयात किया। फलतः अन्य यूरोपीय राष्ट्र नेपोलियन से असंतुष्ट हो गये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(4) पोप के साथ समझौता :
नेपोलियन ने फ्रांसीसी क्रांति के भावों पर स्वतंत्र बनाए एवं कैथोलिक ईसाई प्रजा का समर्थन प्राप्त करने के लिए पोप के साथ कॉनकॉर्डेट समझौता किया और पोप को सम्मान दिया।
किंतु 1807 ई. में अपने राज्याभिषेक में स्वयं ने ही मुकुट धारण कर लिया। फलतः पोप के साथ सम्बन्धों में तनाव हुआ।

(5) युद्ध नीति :
युद्ध नेपोलियन की राजनीतिक बाध्यता थी क्योंकि उसका कहना था कि "मैं तो युद्ध करके जन्मा हूँ। यदि युद्ध हार गया तो फ्रांस की जनता मुझे अस्वीकार कर देगी।"
इस कारण वह लगातार युद्धों में संलग्न रहा। फलतः यूरोपीय रक्षात्मक राष्ट्र नेपोलियन के विरुद्ध एकजुट होने लगे और अंत लिपजिग एवं वाटरलू के युद्ध में पराजित कर उसके साम्राज्य का पतन सुनिश्चित कर दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) चार्टिस्ट आंदोलन के कारणों पर प्रकाश डालिये। क्या यह आंदोलन पूर्णतः असफल रहा? स्पष्टीकरण कीजिये। 15

Elucidate the factors responsible for the Chartist Movement. Was this movement a complete failure? Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1838 - 1848 तक इंग्लैण्ड में श्रमिकों की माँग को लेकर ~~प्रमु~~ राजनीतिक आंदोलन हुआ जिन्हें सम्मिलित रूप से ~~[illegible]~~ चार्टिस्ट आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

कारण:

इंग्लैण्ड में हुई औद्योगिक क्रांति के कारण पूँजीपति एवं श्रमिक वर्गों का उदय हुआ। ~~[illegible]~~ यहाँ श्रमिकों का शोषण किया जा रहा था। और कार्य घंटे भी निर्धारित नहीं थे। कार्य की दशाएँ बेहतर नहीं थी वेतन एवं सुविधाएँ बेहतर नहीं थी। साथ ही श्रमिकों को बीमा एवं चिकित्सा जैसी मौलिक सुविधाएँ प्राप्त नहीं थी।

इसी तरह श्रमिकों को संगठन बनाने एवं हड़ताल करने का अधिकार नहीं था। मताधिकार भी नहीं था। इन्हीं कारणों से चार्टिस्ट आंदोलन हुआ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस आन्दोलन के दौरान चार्टिस्ट नेताओं द्वारा निम्नलिखित माँगें चार्टर के माध्यम से सरकार के समक्ष प्रस्तुत की गई।

→ कार्य के घंटे निर्धारित किये जाए।

→ संसद में गुप्त मतदान हो।

→ संसद सदस्यों के वेतन निर्धारित हो एवं सदस्यों का निर्वाचन वार्षिक आधार हो

→ श्रमिकों का पारिश्रमिक निर्धारित किया जाए।

चार्टिस्ट नेताओं द्वारा यह चार्टर 1838 एवं 1839 में प्रस्तुत किया किंतु सरकार द्वारा अस्वीकार कर दिया गया किंतु 1846 में सरकार द्वारा स्वीकार कर हस्ताक्षरों की जाँच करवाई गई तो काफी हस्ताक्षर झूठे पाये गये जिनमें ड्यूक ऑफ वेलिंग्टन एवं महारानी विक्टोरिया के भी झूठे हस्ताक्षर थे।

फलत: चार्टर आन्दोलन एवं इसके नेता बदनाम हो गये और यह आंदोलन समाप्त हो गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तात्कालिक रूप से तो यह आन्दोलन पूर्ण रूप से असफल रहा क्योंकि यह सरकार द्वारा इसकी कोई भी माँग नहीं मानी गई थी किन्तु भविष्य में होलोंन में हुए संसदीय सुधारों में इसकी माँगो को शामिल करते हुए रखा किया गया।

जैसे - 1921 के अधिनियम के तहत गुप्त मतदान की व्यवस्था लागू की गई।

- 1911 के अधिनियम के तहत संसद सदस्यों का वेतन निर्धारित किया गया।

→ 1918 के अधिनियम के तहत महिलाओं को मताधिकार दिया गया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है चार्टिस्ट आन्दोलन ने ब्रिटिश लोकतांत्रिक राजनीति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही इस आन्दोलन की सफलता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) इटली के एकीकरण में सहायक तत्त्वों को रेखांकित कीजिये। 15

Highlight the contributory elements in the integration of Italy. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

एकीकरण से पूर्व इटली कई छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित थे। इसी कारण मेटरनिख ने इटली को "भौगोलिक अभिव्यक्ति मात्र" कहा था। इटली के एकीकरण में सहायक तत्व निम्न थे -

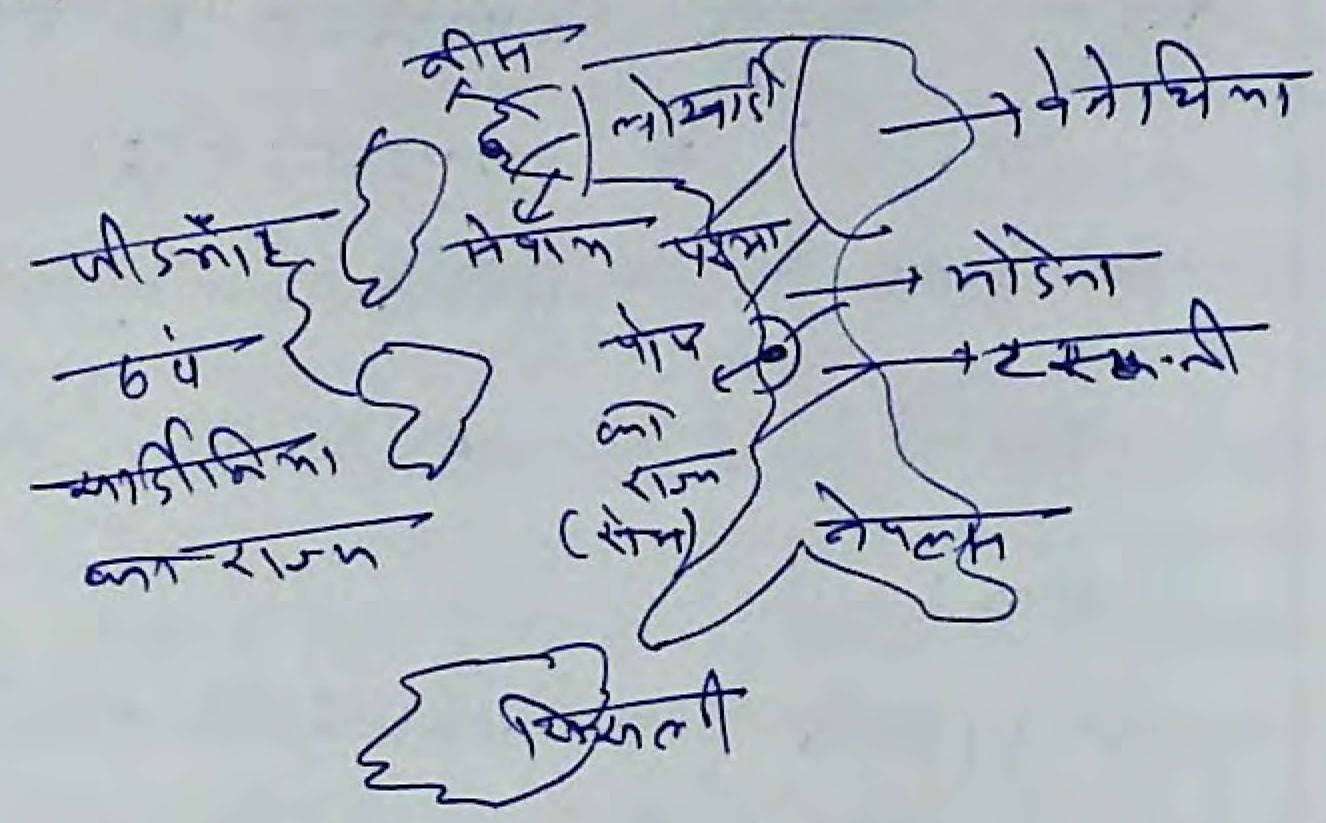

(1) नेपोलियन एवं फ्रांसीसी क्रांति:

नेपोलियन ने अपनी साम्राज्यवादी विस्तार के दौरान इटली के क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की और वहाँ एक-समान शासन व्यवस्था लागू की। इससे इटली का राजनीतिक-प्रशासनिक एकीकरण हुआ।

साथ ही फ्रांस की क्रांति की राष्ट्रवादी भावना का प्रसार भी इटली में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हुआ। अतः जब नेपोलियन इटली के ऐतिहासिक धरोहरों को लाया जाता तो इटलीवासियों का राष्ट्रवाद आहत हुआ और उन्होंने नेपोलियन का विरोध किया।

(2) कार्बोनरी संस्था :-
यह एक कोयला मजदूरों की संस्था थी। इसका मुख्य उद्देश्य इटली से विदेशियों को बाहर निकालना था।

(3) मेजिनी एवं यंग इटली
मेजिनी इटली का क्रान्तिकारी नेता था। वह इटली के युवाओं के प्रेरणास्रोत था। उसने कहा कि "युवाओं के हृदय में असीम शक्ति होती है।" अतः राष्ट्रीय आन्दोलन अर्थात् एकीकरण कार्य युवाओं को ही सौंपना चाहिए।
मेजिनी का मानना था कि इटली के एकीकरण के लिए विदेशी सहायता की आवश्यकता नहीं है। इटलीवासी स्वयं के प्रयासों से इटली का एकीकरण करें।

(4) कोयला एवं लोहा :- कोयला एवं लोहा औद्योगिक विकास के आधारभूत तत्व है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इससे रेलवे का विकास हुआ। अतः सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि होने से राष्ट्रीय चेतना का विकास हुआ।

(5) बौद्धिकों की भूमिका:

मोसेटा एवं पल्लियाडोलविक जैसे बौद्धिकों ने इटली के लोगों में राष्ट्रवादी भावना का प्रसार किया।

(6) सांस्कृतिक एकता:

इटली में प्राचीन रोमन साम्राज्य के अवशेष विद्यमान थे जो इटलीवासियों को गौरव एवं सम्मान प्रदान कर एकता के प्रति प्रेरित करते थे।

इसी तरह एक धर्म, एक भाषा एक नस्ल के लोग इटली में रहते थे। इस सांस्कृतिक एकता ने इटली के एकीकरण को मार्ग प्रशस्त किया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि "इटली को इटली से जोड़ने वाले तत्व इटली में विद्यमान थे।" अतः इटली एक भौगोलिक अभिव्यक्ति मात्र नहीं था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क द्वारा अपनाई गई रक्त एवं लौह की नीति पर प्रकाश डालिये। 15

Elucidate the blood and iron policy of Bismarck in the integration of Germany. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) पूर्व की समस्या क्या है? विभिन्न देशों द्वारा इसमें रुचि लेने के कारणों को स्पष्ट कीजिये।

What is the problem of East? Explain the reasons behind the interest of various countries in it.

19 वीं शताब्दी में ऑटोमन साम्राज्य के कमजोर होने के कारण जो समस्या उत्पन्न हुई, उसे पूर्वी समस्या के नाम से जाना जाता है। इस काल ऑटोमन साम्राज्य के कमजोर होने के कारण उसे यूरोप का मरीज कहा जाने लगा था।

विभिन्न राष्ट्रों के हित :

ब्रिटेन :

ऑटोमन साम्राज्य की भौगोलिक अखण्डता बनाना रखना चाहता था ताकि भारतीय उपनिवेश की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

फ्रांस :

ऑटोमन साम्राज्य का विघटन चाहता था ताकि सीरिया एवं मिस्र के क्षेत्रों पर नियन्त्रण स्थापित किया जा सके।

रूस :

ऑटोमन साम्राज्य की कमजोरी का लाभ उठाकर भूमध्यसागर के जलडमरू

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

एवं बोस्फोरस जल संधि पर नियन्त्रण स्थापित करना चाहता है।

आस्ट्रिया :-

आस्ट्रिया भी रूस के समान कालासागर क्षेत्र की जलसंधियों एवं बंदरगाहों पर नियन्त्रण चाहता था। अतः इस क्षेत्र में रूस एवं आस्ट्रिया के हित एक-दूसरे के विरोधी थे।

जर्मनी:

जर्मनी की पूर्वी समस्या में कोई रुचि नहीं थी। बिस्मार्क ने कहा था कि "वह तुर्की से आने वाली डाक नहीं खोलता"। यद्यपि जर्मनी इससे बच नहीं सका।

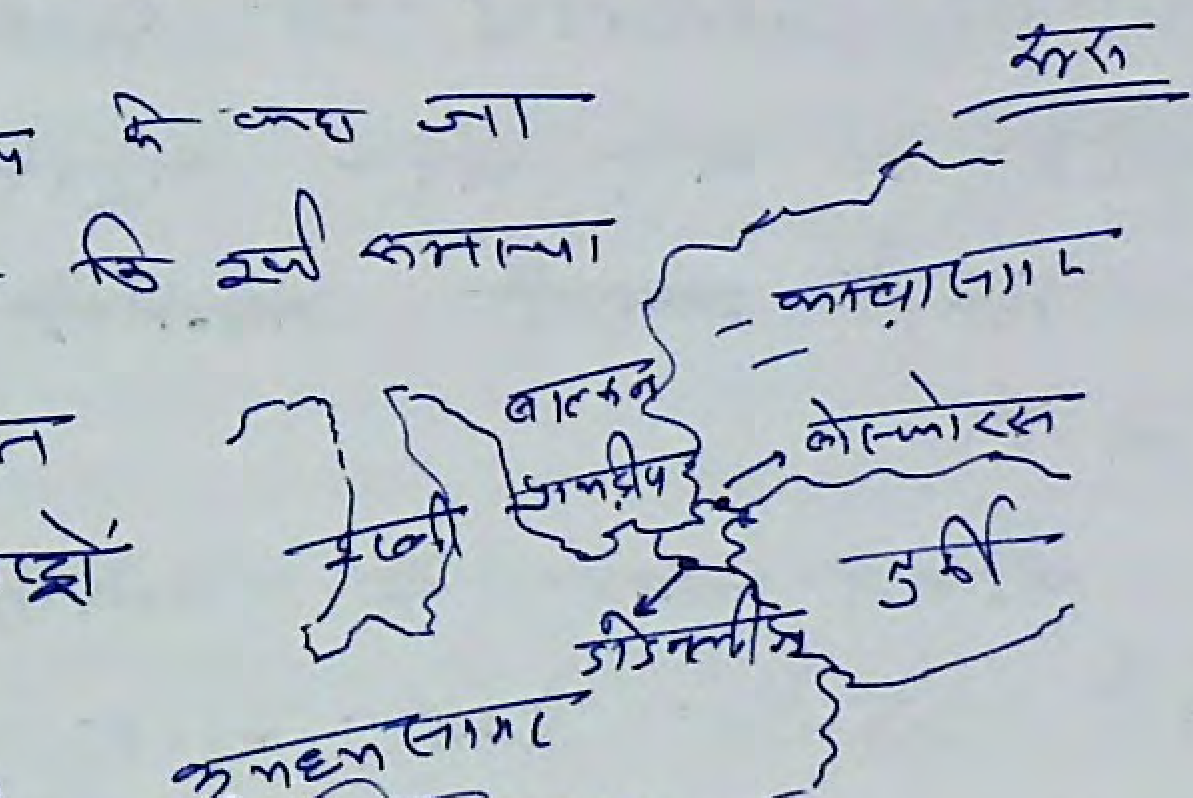

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि पूर्वी समस्या में विभिन्न यूरोपीय राष्ट्रों के हित निहित थे। अतः राष्ट्रों के मध्य प्रतिस्पर्धा एवं तनाव बढ़ा जिससे विश्वयुद्ध का आधार निर्मित हुआ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) सांस्कृतिक साम्राज्यवाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

Critically evaluate cultural imperialism.

सांस्कृतिक साम्राज्यवाद एक ऐसी अवधारणा है जिसके अन्तर्गत एक संस्कृति द्वारा अपने विचारों, मूल्यों, आदर्शों को दूसरी संस्कृति पर थोपा जाता है। फलतः दूसरी संस्कृति के लोग अपनी संस्कृति को हीन एवं अन्य संस्कृतियों को श्रेष्ठ समझने लगते है।

सांस्कृतिक साम्राज्यवाद प्राचीनकाल से चला आ रहा है किन्तु ~~द्वितीय~~ उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं निजीकरण को अपनाने के बाद यह सम्पूर्ण विश्व में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

वर्तमान समय में अमेरिका एवं पश्चिमी यूरोपीय देशों द्वारा सांस्कृतिक साम्राज्यवाद की नीति अपनायी जा रही है। इसके अन्तर्गत पश्चिमी संस्कृति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के मूल्यों एवं विचारों को गौण समझा जाता है।

इसके अन्तर्गत वेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पान, खेल, फिल्म, संगीत-साहित्य इत्यादि के माध्यम से अपनी संस्कृति को प्रसारित किया जाता है।

उदाहरण: भारत में पिज्जा, बर्गर, मैगी खाना, हॉलीवुड फिल्में देखना एवं पॉप संगीत सुनना, जींस एवं कोट पैंट, टाई पहनना सभी सांस्कृतिक साम्राज्यवाद के उदाहरण है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) पार्थक्यता या रंगभेद की नीति की संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

Briefly discuss the policy of racism or apartheid.

दक्षिण अफ्रीका में डेनियल मलान की सरकार द्वारा 1948 में रंगभेद की नीति लागू की गई। इसके प्रमुख तत्व निम्न थे -

1. अश्वेत लोगों को संगठन बनाने एवं हड़ताल करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया।
2. मताधिकार छीन लिया गया।
3. श्वेत - अश्वेत विवाह को गैर-कानूनी एवं अनैतिक घोषित कर दिया।
4. साम्यवाद दमन अधिनियम के तहत किसी भी प्रकार के विरोध पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
5. शिक्षा के क्षेत्र में भेदभाव।

इस रंगभेद नीति का विरोध अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के नेता अल्बर्ट लुथली ने किया किंतु सरकार ने दमनात्मक कार्यवाही करते हुए उन्हें जेल में डाल दिया गया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दक्षिणी अफ्रीकी सरकार से अधिकतर देशों ने सम्बन्ध तोड़ लिये और UNO ने भी सभी सन्दर्भों से नैतिक एवं आर्थिक प्रतिबन्ध लगाने को कहा।

इस तरह आन्तरिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय दबावों के चलते 1989 में राष्ट्रपति F. डी क्लार्क ने रंगभेद शासन को समाप्त कर दिया। नेल्सन मण्डेला को जेल से रिहा कर दिया। अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस से प्रतिबन्ध हटा लिया गया। एक व्यक्ति एक वोट के आधार पर निर्वाचन की घोषणा हुई।

इस 1994 में द. अफ्रीका में पहले लोकतांत्रिक चुनाव हुए और नेल्सन मण्डेला गैर-नस्लवादी सरकार के प्रथम राष्ट्रपति बने।

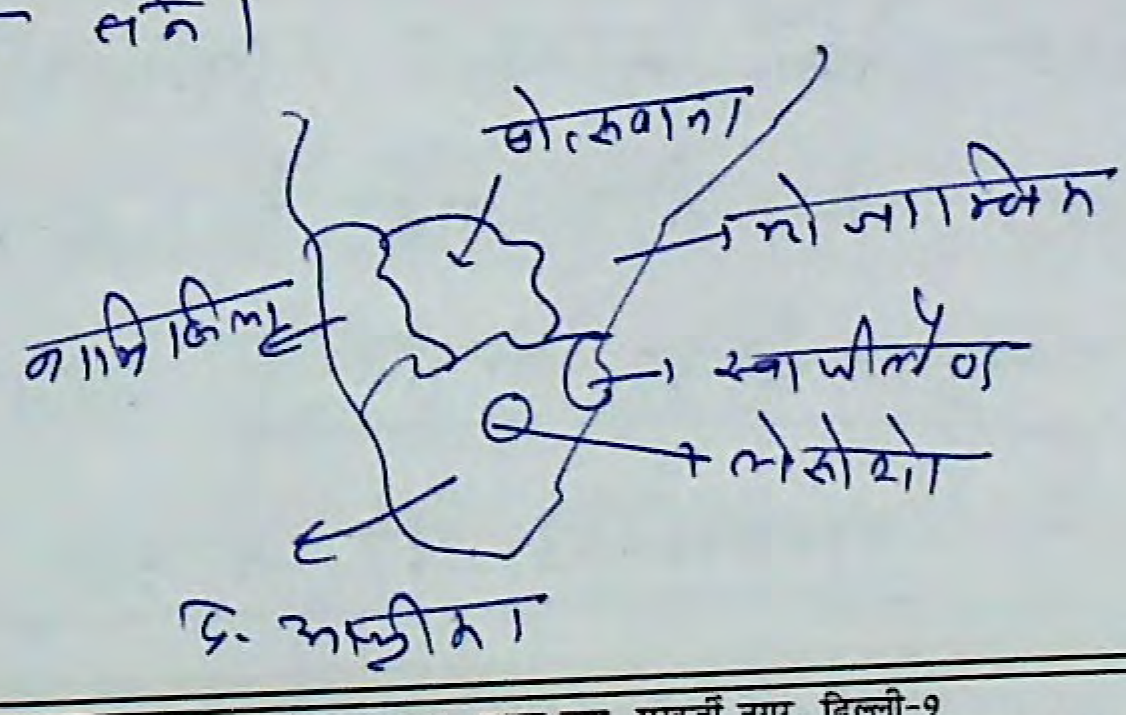

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) अफ्रीकी देशों के विकास में बाधक तत्त्वों को रेखांकित कीजिये।

Highlight the factors that hinder the development of African countries.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अफ्रीकी देशों के विकास के बाधक तत्व निम्न है -

1.) अफ्रीका के अधिकांश देशों में जनजातियाँ रहती है और इन जातियों का आपसी संघर्ष एवं तनाव का सम्बन्ध है। अतः इनमें गृहयुद्ध होता रहता है। इससे सामाजिक - आर्थिक विकास में बाधा पहुँचती है।

2.) अफ्रीका के प्राकृतिक एवं मानव संसाधन से सम्पन्न होता है किन्तु इन संसाधनों के दोहन के लिए पूँजी एवं तकनीक का अभाव है।

क्योंकि, यह पूँजी एवं तकनीक विकसित देशों द्वारा अफ्रीकी देशों को उपलब्ध करवायी जाती है। इसके बदले के बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा इन देशों में नवउपनिवेशवादी शोषण किया जाता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3) अफ्रीकी देशों के स्वतंत्रता के पश्चात् से ही अनुभवहीन लोकतांत्रिक सरकारें रही हैं। फलतः राजनीतिक अस्थिरता सामाजिक-आर्थिक में बाधक रही।

4) अफ्रीकी महाद्वीप को आने वाली प्राकृतिक आपदाओं एवं महामारियों के कारण भी विकास प्रभावित हुआ है। विकास की राशि इनसे के बचाव के लिए प्रयुक्त की जाती है।

5) अफ्रीकी देशों द्वारा WB, IMF जैसी संस्थाओं से तात्कालिक मांग के विकास के नाम पर ऋण लिया गया है किंतु उसका गलत उपयोग हुआ है। ~~जाता है~~

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि उपर्युक्त कारणों के कारण ही अफ्रीका महाद्वीप सर्वाधिक पिछड़ा महाद्वीप है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेलः helpline@groupdrishti.com, वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
फेसबुकः facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटरः twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) शीतयुद्ध का एक प्रमुख कारण वैचारिक मतभेद था। परीक्षण कीजिये। 15

A major cause of the Cold War was ideological differences. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ रूस एवं अमेरिका के बीच तनावपूर्ण सम्बन्धों को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में शीतयुद्ध के नाम से जाना जाता है।

वास्तव में शीतयुद्ध एक वास्तविक युद्ध न होकर वाक् युद्ध होता है जिसके प्रमुख साधन वैचारिक घृणा, राजनीतिक अविश्वास, सैन्य प्रतिस्पर्धा, जासूसी एवं कूटनीतिक जोड़ तोड़ है।

कारण: शीतयुद्ध का प्रमुख कारण वैचारिक था। वस्तुतः रूस की बोल्शेविक क्रांति की सफलता बाद यहाँ साम्यवादी शासन की स्थापना हुई और रूस ने 'विश्व में साम्यवाद' का नारा देते हुए पूँजीवाद को समाप्त करने पर बल दिया। फलतः पूँजीवादी राष्ट्रों ने प्रारम्भ से ही साम्यवाद का अपना शत्रु माना और इसे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समाप्त करने के लिए क्या संभव प्रयास किये किंतु शीत युद्ध के बढ़ने के साथ साथ अन्य कारण भी रहे जो निम्न है-

1) जब रूस पर जर्मनी ने आक्रमण किया तो रूस ने मित्र राष्ट्रों से दूसरा मोर्चा जर्मनी के विरुद्ध खोलने को कहा किंतु मित्र राष्ट्रों ने इसको टालने का प्रयास किया। फलतः अविश्वास बढ़ा।

2) अमेरिका द्वारा जापान पर गिराये गये परमाणु बम से भी सोवियत संघ को आश्चर्य हुआ क्योंकि यह रहस्य उससे छिपाया गया था।

3) सोवियत संघ ने याल्टा समझौते का उल्लंघन करते हुए दक्षिणी एवं युगोस्लाविया के क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया।

4) 1946 में चर्चिल ने फुल्टन भाषण से शीतयुद्ध की वास्तविक शुरुआत मानी जाती है। जहाँ सभी प्रकार की तानाशाही के विरुद्ध पर बल दिया गया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5) ट्रूमैन सिद्धांत से भी दोनों राष्ट्रों के गहन तनाव बढ़ा। इसके अंतर्गत साम्यवाद के प्रसार को रोकने के लिए अनेक देशों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

6) 1948 में सोवियत संघ द्वारा बर्लिन की नाकेबंदी करना।

7) अमेरिकी नेतृत्व में 1949 में पश्चिमी यूरोपीय राष्ट्रों की सुरक्षा हेतु नाटो का गठन। फलत: सोवियत संघ द्वारा पूर्वी यूरोपीय राष्ट्रों की सुरक्षा हेतु वारसा संधि संगठन का गठन।

8) U-2 विमानकांड।

9) क्यूबा संकट ने भी शीतयुद्ध को बढ़ावा दिया।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि शीत युद्ध का आधार मात्र वैचारिक नहीं था। इसमें तक उग्र क्रांति का दौर था जहाँ विश्व [illegible] के वातावरण में भी रहा था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गुटनिरपेक्षता को स्पष्ट करते हुए यह बताएँ कि क्या वर्तमान एक-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में इसकी प्रासंगिकता समाप्त हो चुकी है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 20

What is Non-Aligned Movement? Has its relevance in the present unipolar world order ended? Critically evaluate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गुटनिरपेक्षता न तो तटस्थता है और न ही निष्क्रियता बल्कि राष्ट्रों द्वारा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना ही गुटनिरपेक्षता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात नवस्वतंत्र राष्ट्रों (तृतीय विश्व) के देशों द्वारा सामाजिक-आर्थिक विकास एवं स्वतंत्र विदेश नीति के संचालन के उद्देश्य से गुटनिरपेक्षता नीति को अपनाया था।

किंतु 1990 में सोवियत संघ रूस का विघटन हो गया और शीतयुद्ध की समाप्ति हो गया तथा विश्व में गुट की समाप्ति हो गयी है। इसी आधार पर यह कहा जाता है कि गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का कोई महत्व नहीं रहा है और इसकी प्रासंगिकता समाप्त हो चुकी है। अतः इसे समाप्त कर देना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किंतु यह मत तार्किक नहीं है क्योंकि तृतीय विश्व के देशों द्वारा जिन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गुटनिरपेक्षता नीति को अपनाया गया था वे अभी भी जीवंत है।

इन देशों का सामाजिक-आर्थिक विकास का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है और साथ ही राष्ट्रीय सम्प्रभुता एवं स्वतंत्रता के लिए स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन की आवश्यकता है। साथ ही वर्तमान में तृतीय विश्व के राष्ट्रों के समक्ष व्याप्त नवीन चुनौतियों से निपटने हेतु भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता है।

नवीन चुनौतियाँ:

- नव-उपनिवेशवादी शोषण से मुक्ति प्राप्त करना।
- निःशस्त्रीकरण करवाना एवं परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना।
- आतंकवाद के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन एवं भोजन पसंद का ध्यान जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटना।
- हिन्द महासागर के शांति क्षेत्र घोषित करवाना।
- संयुक्त राष्ट्र संघ एवं इसकी एजेंसियों का लोकतंत्रीकरण करवाना।
- सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना।
- ऊर्जा संकट का समाधान करना

उपर्युक्त चुनौतियों के आलोक में कहा जा सकता है कि NAM की प्रासंगिकता वर्तमान में है। यह बहुध्रुवीय विश्वव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दृष्टि से यह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का स्थायी तत्व बन चुका है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष चुनौतियों को स्पष्ट कीजिये तथा इसके सुदृढ़ीकरण हेतु उपायों की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the challenges before the United Nations and suggest measures to strengthen it. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात 1945 में अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाके रखने तथा विभिन्न राष्ट्रों के मध्य विवादों को पारस्परिक वार्ता एवं शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

यद्यपि संयुक्त राष्ट्र संघ ने विभिन्न क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है फिर भी वर्तमान समय में इसके समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ निम्न प्रकार है-

- संयुक्त राष्ट्र संघ अनेक विवादों का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाया है। फलत: वर्तमान विश्व में विभिन्न राष्ट्रों के मध्य राजनीतिक तनाव बने हुए है जैसे - इजराइल - फिलिस्तीन विवाद
- संयुक्त राष्ट्र संघ में अभी तक आतंकवाद की परिभाषा निर्धारित नहीं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दो लगी है और वर्तमान में आतंकवाद एक वैश्विक समस्या बन गयी है।

- जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए एक प्रभावी नेता का निर्णय नहीं हो पाया है। यद्यपि इसके लिए पेरिस जलवायु समझौता हुआ। लेकिन अमेरिका उससे बाहर हो गया।
- सतत विकास लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति भी एक चुनौती है।
- वर्तमान विश्व में शरणार्थी समस्या काफी गंभीर है। इसका कोई हल UNO नहीं निकाल सका है।

सुदृढ़ीकरण हेतु उपाय:

- UNO का ढाँचा दोषपूर्ण है। निर्णय लेने में सभी राष्ट्रों की भागीदारी न होकर केवल UNSC द्वारा ही लिये जाते हैं। अतः UNO एवं UNSC में सुधार करते हुए इसका पुनर्गठन किया जाना चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- UNO के वित्तीय स्रोतों को स्थायी बनाया जाये।
- UNSC का विस्तार करते हुए G-4 राष्ट्रों को इसका सदस्य बनाया जा सके ताकि यह विश्व की एक प्रतिनिधिपूर्ण संस्था बन सके।
- नाटो को UNO के अन्तर्गत लाया जाना चाहिए और सदस्य राष्ट्रों की सहमति से इसे विश्व में शांति स्थापना का कार्य सौंपना चाहिए।
- UNO एवं इसकी विभिन्न एजेंसियों में समन्वय स्थापित करना चाहिए।
- सदस्य राष्ट्रों द्वारा पर्याप्त आर्थिक सहायता UNO को दी जानी चाहिए।

उपरोक्त उपायों से एक प्रभावी संस्था बन सकेगी जो विश्व की शांति एवं सुरक्षा में प्रभावी भूमिका निभा सकेगी।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation